

24

The Gazette of Andia

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग III—सण्ड 1
PART III—Section 1

प्राप्तिकार से प्रकारिक PUBLISHED BY AUTHORITY

do 23]
No. 23]

नई विश्ली, बुधवार, सितन्बर 5, 1984/मोत्र 14, 1906 NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPT. 5, 1984/BHADRA 14, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रेका जा सकी

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 13) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचनाएं कानपूर, 22 श्रगस्त, 1984

निवेश नं एस-1914/83-84: - प्रतः मुझे जे०पी० हीलोरी प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचत बाजार मृल्य 1,00,000 क० मे अधिक है और जिसकी सं 12333 है तथा जो युवापयाज अती, मेरठ में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबक अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-8-83 का पूर्वीक सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के दृष्यमान के प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह

विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत में श्रीष्टक है ग्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त श्रन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनिश्म, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐंस किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्त-रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के किए

मतः भव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1-) के प्रधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात्:--

- श्री स० भजन सिंह व गुलणन कुमार पुत्र श्री सरदार दौलत सिंह, ग्राम पूर्वी प्याज अली हलदेवपुरी, मेरठ। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती श्रभगरी बेगम पुत्री इक्तिमाक भहमद खेख, ग्राम काणी पो० काणी, जिला मेरठ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिश की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त णब्दों श्रीर पदों का, जो झायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

*प्र*नुसूची

मकान नं० 36 यूवा फ्याज अली, मेरठ शहर तारी**ख** 22-8-84

मोहर:

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(Acquisition Range)

Notices under Section 269D(1) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

Kanpur, the 22nd August, 1984

M-1914|83-84.—Whereas, I. J. P. Hilori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 36 situated at Yowa Faiz Ali, Meerut (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 12333, dated 21-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the considerration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

assentation of a first contact of the contract of the contract

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Sardar Bhajan Singh, Or Gulson Kumar, Slo Shri Sardar Dolat Singh, Village. Mouja Purbi Faiz Ali Haldeopuri, Meerut City. —(Transferor)
- 2. Smt. Asgari Begam Do. Estyak Ahmad Sekh Village & Post—Kashi, Distt. Meerut.
 --(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House No. 36 Yowa Faiz Ali Meerut City.

Date: 22-8-1984.

SEAL

निदेश नं एम-1859/83-84:-----श्रतः मुझे, जे०पी० हीलोरी, अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 रु० में अधिक है और जिसकीं सं० 47 है तथा जो प्रभात नगर मेरठ में स्थित है (ग्रीर इगरो उपाबद्ध अनुसूची में और पुण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्राधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-8-83 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए भ्रान्तरित की गई है भ्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है श्रीर भन्तरक (भन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तिषिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कसी करने या उसमे बचने में मुबिधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ श्राहित्यों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिधा के लिए

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नांचखित व्यक्तियों श्रथीत्:---

- मे. बहाद्र मुराव एण्ड सन्स एच.यू.एफ. कत्ती बहादुर मुराव पुत्र यमुना प्रसाद नि.-392, ग्रेटर कैलाश, दिल्ली।
- 2. श्री कपिल गर्ग एण्ड सर्नेक्षीप गर्ग पुत्र ग्याम लाल गर्ग नि प्रभात नगर नं० 47, मीजूदा नं० 175 मेरठ '''' (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचन। के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की श्रविश, या तत्सम्बन्धीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूधी

गकात नं० 47 मीजूदा नं० 175 प्रभास नगर, मेरठ

त।रीख: 22-8-1984

माहर:

Ref. No. M-1859/83-84.—Whereas, I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing number as per schedule situated at as per schedule the (and more fully described in annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Meerut on 29-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from he transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes

of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

> M|s. Bahadur Murao & Sons H. U. F. Katra Bahadur Murao S|o Jamuna Prasad R|o. 392 Greater Kailash, Delhi.

-(Transferor)

 Shri Kapil Garg & Sandeep Garg Slo. Shyam Lal Garg, Rlo Prabhat Nagar No. 47 Present No. 175, Meerut.

--(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House No. 47 Present No. 175 situated at Prabhat Nagar, Meerut.

Date: 22-8-1984.

SEAL:

भिवेश नं. एम-91/84-85 — श्रतः मुझे, जे.पी. हीलोरी आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 के से श्रिधिक है श्रीर जिसकी मं. 66 है तथा जो रिणीकेण में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यात्य देहरादूत में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के जिए श्रन्तरित की गई है श्रीर

मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्यों से युक्त अन्तरिण, लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, आयकर भ्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुबिधा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी स्राय या किसी धन या स्रन्थ स्नास्तयों की जिन्हें भारतीय स्नायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या स्नायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ स्नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भ्रतः भ्रब उक्त ग्राधिनिथम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त ग्राधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:—

- श्री बालिकणन सेठ पुत्र देवकी नन्दन गुलाव का मुहाल. ग्रमृतसर (पंजाब)
- श्री लक्ष्मन दास पुत्र श्री पोकर दास नि । 12, तिलक मार्ग रिभीकेंग, देहराह्न : (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां णुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :----

- (क) इस सूचनः के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस भूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के .15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्नाक्षरी के पाग निखित में किए जा सकेंगे:—

स्पष्टीकरण —-इसमें प्रयक्त णब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रीधानयन, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रन्यूची

्ताट नं. 66 श्रदवता नन्द मार्ग रिषीकेण देहरादून। तारीख 22-8-84

मोहर.

(जो लागून हो उसे काट दीजिए)

M-91/84-85.—Whereas I, J. P. Hillori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 66 situated at Rishikesh (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. dated for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obicct of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Balkishan Seth. S|o Deoki Nandan R|o Gwale ka Mohal, Amritsar (Punjab) (Transferor)
- Shri Lachman Das Slo. Shri Poker Das Rlo 12 Tilak Marg Rishikesh Dehra dan. (Transferce)
- 3. Shri|Smt —do— (Person(s) In occupation of the property).
 - 4. Shri|Smt. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. 66, Adveta Nand Marg Rishikesh—Dehradun.

Date: 22-8-1984.

SEAL

+Strike off where not applicable.

निदेश नं, एम-90/84-85:---ग्रतः मुझे जे.पी. हीलारी श्रायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चात् 'उक्त र्श्नाधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 100,000 से श्रिधिक है ग्रीर जिसकी सं, 76 है तथा जो राजपुर रोड देहरादून में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय देहरादुन में, रजिस्टीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 9-12-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर् श्रन्तरिती (श्रन्तरियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त ग्रन्तरण, लिखित में बास्तविक घप से कथित नही किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भ्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

ग्रतः भव युक्त ग्रक्षिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त ब्रिधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के ग्रबीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथीत्:---

- ा. श्री के. एन. गर्मा पूत्र न(थ राम (ग्रन्तरक) नि.-ए-3 भ्रायोक पार्क मोदी नगर
- 2. श्री सुधीर कुमार माता पुत जी . ग्रार . माना नि .-189-ए- न्यू कनाट पेलेस, देहरादून । (ग्रन्तरिती)
- 3. श्री/श्रीमती/कूमारी (वह व्यक्ति, जिसकेग्रियां में सम्पत्ति है)
- 9. श्री/श्रीयती/कृमारी (बह व्यक्ति, जिसके बारे म मित्रवाह है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि, या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की नामील 30 दिन की ग्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सुचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख क ा दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्तियों द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रौर पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

श्चनुषुची

प्रापर्टी स. ७६, राजपुर रोड देहरादून ।

तारीख 22-8-84

मोहर :

(जो लागुन हो उसे काट दीजिए)

M. 90/84-85.—Whereas I. J. P. Hillori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 76 situated at Rajpur Road, Dehradun (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun

under registration No. 8788 dated 9-12-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more thanfifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect or any income arising from the transfer and |or ;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.

- 1. Shri K. N. Sharma Soo Shri Nath Ram Ro A-3, Alok Park, Modi Nagar (Transferor)
- 2. Shri Sudhir Kumar Matta So Shri G. R. Matta, (Transferee) Rlo 189-A New Connaught Place Dehradun.
- —do (Person(s) in occupation of the property.
- 4: Shri|Smt. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property No. 0-76 Rajpur Road Dehradun.

Date: 22-8-84.

SFAL.

+Strike off where not applicable.

निदेश नं , एम-89/84-85:→-श्रवः मझे जे ,पी , हीलोरी**,** । श्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चान् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विग्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/- मे प्रधिक है ग्रीर जिसकी मं. 76 है तथा जो राजपुर रोड देहरादून में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय देहरादूल में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 9-12-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृण्यभान प्रतिकल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्राधिक है अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर अन्त-रिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त श्रन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बावत, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए ग्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधितियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

ग्रतः ,ग्रब युक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्सरण में, मैं उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रिधीन् :---

- 1. श्री के एन शर्मा पृत्न नाथ राम निरुए-317, मोदी नगर (श्रलोक पार्क) (अन्तरक)
- श्री मुधीर कुमार माता पुत श्री जी श्रार माता. नि र 189-ए-, न्यू कनाट पेलण, देहराटून (अन्तरिती)
- 4. श्री/श्रीमती/कुमारी (बह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां भुरू करता है।

-- ---

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में काई भी श्राक्षेप .---

- (क) इस सूचता के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पप्टीरकण — इसमें प्रयुक्त णब्दों श्रीर पदों का, जो ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनसूची

प्रापर्टी नं. 76, राजपुर रोड, देहरादुन

तारीखा 22-8-84

मोहर:

जे पी. हीलोरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राय्क्त, (निरीक्षण)

(अर्जन रेंज), कानपुर

[जो लागु न हो उसे काट दीजिए]

M-89|84-85.—Whereas I, J. P. Hillori being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Income-tax Act, 196! (43 of 196!), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 76 situated at Rajpur Road, Dehradun (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No 8789 dated 9-12-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the transfer-or(s,) and transferee(s) has not been trul stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the conceulment of any income or any money or other assets which have not been or which, ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- I. Shri K. N. Sharma So Sh. Nath Ram Ro A-317 Modi Nagar (Alok Park) (Transferor)
- Sh. Sudhir Kumar So Sh. G. R. Matta, Ro 189-A New Connaught Place, Dehradun.

(Transferee)

- 3. Shri|Smt. —do— (Person(s) In occupation of the property).
- 4. Shri|Smt. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of pub-

lication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said imovable property within 45 days from the date of publication of this noice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Property No. 76 Rajpur Road, Dehradun.

Date: 22-8-84,

J. P. HILORI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (Acquisition Range). Kanpur.

SEAL

+Strike off where not applicable,